

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 29 अक्टूबर, 1984

क्रमांक 1255-ज-(II)-84/29124.—श्री लाल चन्द गुप्ता, पुत्र श्री जीवा राम, गांव ढीघल, तहसील सच्चर, जिला रोहतक, की दिनांक 18 जून, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री लाल चन्द-गुप्ता की मुल्लिम 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 19948-जे.-एन.-III-66/21408, दिनांक 21 अक्टूबर, 1966, अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, तथा 1789-जे-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सरती के नाम रबी, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

शुद्धि-पत्र

दिनांक 30 अक्टूबर, 1984

क्रमांक 1277-ज-(II)-84/29179.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना क्रमांक 947-ज(II)-84/21549, दिनांक 3 अगस्त, 1984, जो हरियाणा सरकार के राजपत्र में दिनांक 14 अगस्त, 1984 को प्रकाशित हुई है, की तीसरी लाइन में गांव गरनावी की बजाये गरनावठी पढ़ा जाये।

क्रमांक 1339-ज-(II)-84/29183.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती भगवती, विधवा श्री प्यारे, गांव नौनोन्द, तहसील व जिला रोहतक को खरीफ, 1974 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1256-ज-(II)-84/29187.—श्री राम गोपाल, पुत्र श्री छैजू, गांव झाड़ली, तहसील सच्चर, जिला रोहतक की दिनांक 27 अक्टूबर, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री राम गोपाल की मुल्लिम 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1064-ज-II-83/27523, दिनांक 7 सितम्बर, 1983, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती रेशमा देवी के नाम खरीफ, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1338-ज-II-84/29191.—श्री नट्यू राम, पुत्र श्री इतवारपुरी, गांव वागीत, तहसील व जिला मुहम्मगढ़, की दिनांक 3 जुलाई, 1984 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री नट्यू राम की मुल्लिम 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1951-ज-(I)-74/30171, दिनांक 11 सितम्बर, 1974 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती हरबाई के नाम रबी, 1985 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

टी० आर० तुली,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।